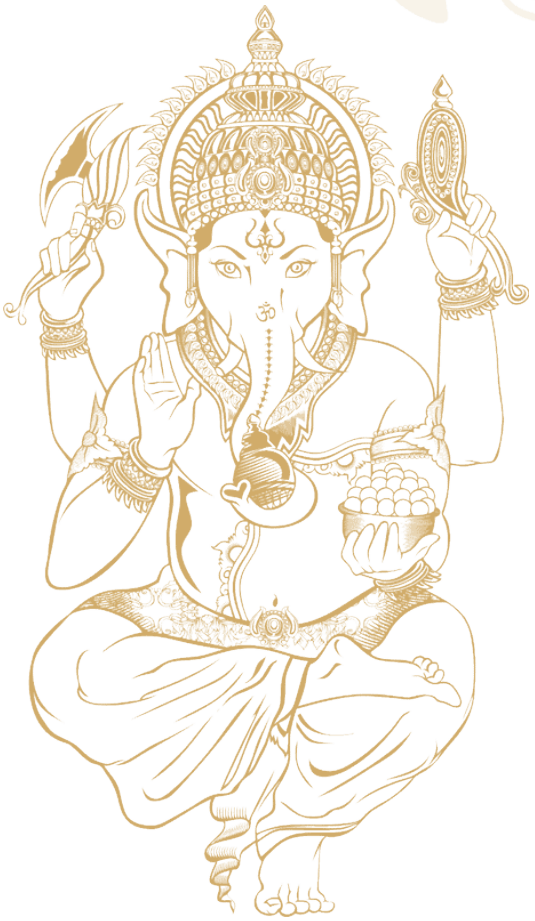

Rghgf

12 May 2021

04:03 AM

Baran

Model: web-freekundliweb

Order No: 120893902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/05/2021**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:03:03 घंटे**
इष्ट	55:54:00 घटी
स्थान	**Baran**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:08:00 उत्तर
रेखांश	76:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:39:27 घंटे
वेलान्तर	00:03:37 घंटे
साम्पातिक काल	18:59:10 घंटे
सूर्योदय	05:41:27 घंटे
सूर्यास्त	18:58:52 घंटे
दिनमान	13:17:26 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	27:17:24 मेष
लग्न के अंश	25:52:06 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शोभन
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-अश्विनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	25:52:06	478:19:17	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			मेष	27:17:24	00:57:58	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	उच्च राशि
चंद्र			मेष	28:53:39	11:47:18	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
मंगल			मिथु	17:04:15	00:36:38	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			वृष	18:11:10	01:19:59	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	05:37:17	00:06:59	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
शुक्र			वृष	09:21:37	01:13:45	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	स्वराशि
शनि			मक	19:15:34	00:01:07	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		वृष	16:34:19	00:01:27	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	16:34:19	00:01:27	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			मेष	17:10:07	00:03:25	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	---
नेप			कुंभ	28:30:58	00:01:23	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो	व		मक	02:36:37	00:00:24	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			धनु	19:27:47	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:02

लग्न-चलित

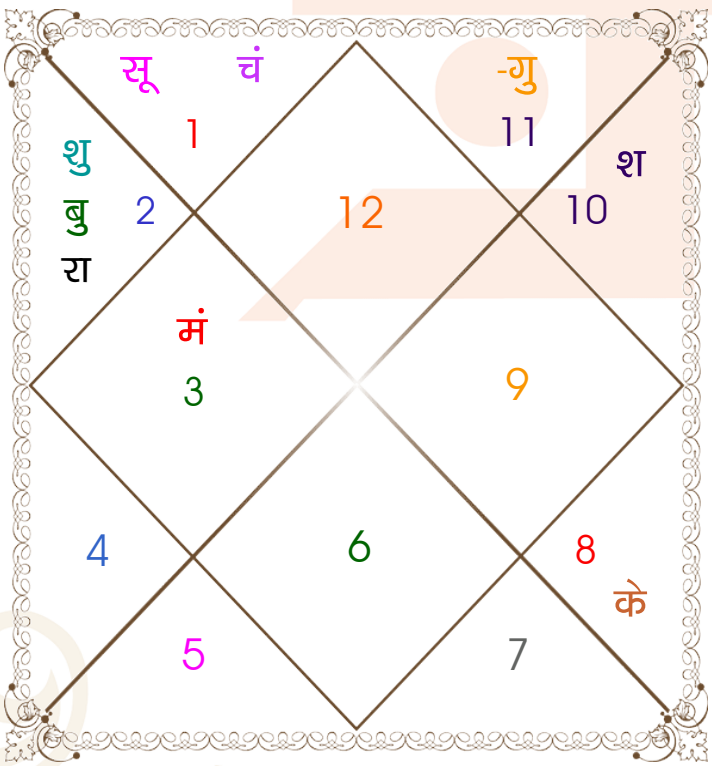

चन्द्र कुंडली

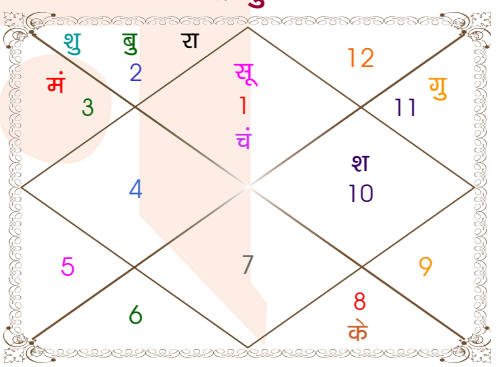

नवमांश कुंडली

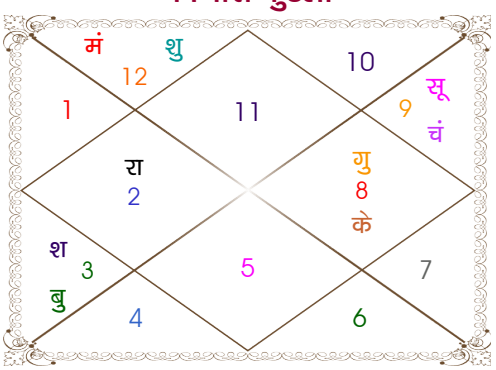

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 11 मास 29 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
12/05/2021		11/05/2026		11/05/2036		11/05/2043		11/05/2061	
11/05/2026		11/05/2036		11/05/2043		11/05/2061		11/05/2077	
	00/00/0000	चंद्र	11/03/2027	मंगल	07/10/2036	राहु	21/01/2046	गुरु	29/06/2063
	12/05/2021	मंगल	11/10/2027	राहु	25/10/2037	गुरु	16/06/2048	शनि	09/01/2066
मंगल	05/07/2021	राहु	10/04/2029	गुरु	01/10/2038	शनि	23/04/2051	बुध	16/04/2068
राहु	29/05/2022	गुरु	10/08/2030	शनि	10/11/2039	बुध	09/11/2053	केतु	23/03/2069
गुरु	18/03/2023	शनि	11/03/2032	बुध	06/11/2040	केतु	28/11/2054	शुक्र	22/11/2071
शनि	28/02/2024	बुध	10/08/2033	केतु	04/04/2041	शुक्र	28/11/2057	सूर्य	09/09/2072
बुध	03/01/2025	केतु	11/03/2034	शुक्र	04/06/2042	सूर्य	22/10/2058	चंद्र	09/01/2074
केतु	11/05/2025	शुक्र	10/11/2035	सूर्य	10/10/2042	चंद्र	22/04/2060	मंगल	16/12/2074
शुक्र	11/05/2026	सूर्य	11/05/2036	चंद्र	11/05/2043	मंगल	11/05/2061	राहु	11/05/2077

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/05/2077		11/05/2096		12/05/2113		12/05/2120		12/05/2140	
11/05/2096		12/05/2113		12/05/2120		12/05/2140		00/00/0000	
शनि	14/05/2080	बुध	07/10/2098	केतु	08/10/2113	शुक्र	11/09/2123	सूर्य	29/08/2140
बुध	22/01/2083	केतु	04/10/2099	शुक्र	08/12/2114	सूर्य	10/09/2124	चंद्र	28/02/2141
केतु	02/03/2084	शुक्र	05/08/2102	सूर्य	15/04/2115	चंद्र	12/05/2126	मंगल	13/05/2141
शुक्र	02/05/2087	सूर्य	12/06/2103	चंद्र	14/11/2115	मंगल	12/07/2127		00/00/0000
सूर्य	13/04/2088	चंद्र	10/11/2104	मंगल	11/04/2116	राहु	12/07/2130		00/00/0000
चंद्र	12/11/2089	मंगल	07/11/2105	राहु	30/04/2117	गुरु	12/03/2133		00/00/0000
मंगल	22/12/2090	राहु	27/05/2108	गुरु	06/04/2118	शनि	12/05/2136		00/00/0000
राहु	28/10/2093	गुरु	02/09/2110	शनि	15/05/2119	बुध	12/03/2139		00/00/0000
गुरु	11/05/2096	शनि	12/05/2113	बुध	12/05/2120	केतु	12/05/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।